एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

भजन संहिता 22:1
मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?
तुम मेरी मुक्ति से क्यों दूर हो,
मेरे दर्द के शब्दों से क्यों?
2 हे मेरे भगवान, मैं दिन में पुकारता हूँ, पर तुम उत्तर नहीं देते,
रात में भी मुझे कोई शांति नहीं मिलती।

जब हम इन शब्दों पर ध्यान देते हैं, तो पाते हैं कि ये एक ऐसे व्यक्ति के हैं जो गहरी निराशा के कगार पर है, जिसे लग रहा है कि या तो उसकी तकलीफें, दुख या अनजानी वेदनाएं उसे पूरी तरह तोड़ रही हैं। वह दाईं ओर देखता है तो कोई उम्मीद नहीं दिखती, बाईं ओर देखता है तो भगवान का कोई हाथ सहायता के लिए नहीं मिलता, भले ही वह लंबे समय से प्रार्थना कर रहा हो और रो रहा हो।

एक और जगह लिखा है कि उसे हर जगह अस्वीकार कर दिया गया, यहाँ तक कि अपने ही रिश्तेदारों ने उसे छोड़ दिया।

भजन संहिता 69:10-17
10 मैंने रोकर और उपवास करके अपनी आत्मा को पीड़ा दी;
और यह मेरे लिए उपहास का कारण बन गया।

एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

11 जब मैं बोरे की चादर पहनता था, तो वे मेरा मज़ाक उड़ाते थे। 12 जो द्वार पर बैठते हैं, वे मेरी बात करते हैं, और शराबी मेरी तिरस्कार करते हैं।
13 पर मैं तुझसे, हे प्रभु, सही समय पर प्रार्थना करता हूँ;
हे परमेश्वर, अपनी बड़ी दया में, मुझे अपने उद्धार की सच्चाई में सुन।

14 मुझे दलदल से बचा, कि मैं डूब न जाऊं;
मुझे अपने घृणितों से छुड़ा, और गहरे पानी से!
15 जलधारा मुझे न बहाए, और गड्ढा अपना मुख मुझ पर न बंद करे!
16 हे प्रभु, मुझे सुन, क्योंकि तेरी दया अच्छी है;
अपने बड़े दया के अनुसार मेरी सहायता कर।
17 अपने सेवक का मुख मुझसे न छुपा, क्योंकि मैं पीड़ा में हूँ; जल्दी मुझे सुन।

ये शब्द दाऊद के हैं। वे बहुत लंबे समय तक खुद को ऐसा महसूस करते रहे कि भगवान ने उन्हें छोड़ दिया है। यहाँ तक कि एक बार वे सोचने लगे कि अपने शत्रुओं, फिलिस्तियों के पास शरण लें – जिन्हें वे पहले बाहर निकाल चुके थे और जिन्हें वे पाखंडी कहते थे। लेकिन इस बार वे पूरी विनम्रता से उनके सैनिक बनने गए, ताकि बच सकें और पूरी तरह न खत्म हो जाएं। वे सचमुच बहुत बुरी स्थिति में थे।

एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यह नहीं कि वे प्रार्थना नहीं करते थे, या भगवान पर भरोसा नहीं करते थे। वे पापी भी नहीं थे कि इस बदकिस्मती के हकदार हों। वे हमेशा प्रार्थना करने वाले थे, लेकिन मानवता की हकीकत में वे ऐसा महसूस करते थे कि भगवान ने उन्हें पूरी तरह छोड़ दिया है।

पर भगवान की दया बहुत बड़ी थी, इसीलिए उसने उन्हें धैर्य दिया कि वे प्रभु का इंतजार करें। इसलिए भजन में वे बार-बार कहते हैं: “प्रभु का इंतजार करो!” (भजन 37:7, 25:3, 31:24, 38:15, 40:1)

दाऊद के कुछ शब्द जो प्रभु यीशु ने उद्धृत किए वे थे:

“मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ा?”

मत्ती 27:45-46
छठे घंटे से नौवें घंटे तक पूरे देश पर अंधेरा छा गया।
नौवें घंटे में यीशु ने जोर से आवाज़ लगाई, “एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?” अर्थात, “मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ा?”

क्या आपको लगता है कि यीशु ने सच में यह महसूस किया कि भगवान ने उन्हें छोड़ दिया?

एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

नहीं! शुरुआत से ही वे जानते थे कि भगवान उनके साथ हैं। उनकी घड़ी आ गई थी, वे जल्द ही ऊपर उठाए जाएंगे और महिमामय होंगे। वे कहीं और कहते हैं कि उन्होंने क्रूस पर ऊपर की ओर देखा (कुलुस्सियों 2:15)। लेकिन वे यह कहकर हमारी मानवता दिखाना चाहते थे कि हमारे दुखों के बीच हमें लगता है कि भगवान ने हमें छोड़ दिया है।

यीशु ने हमारी उस मानवता को लिया और दाऊद के अनुभव की याद दिलाई।

पर कुछ ही मिनटों बाद जब वे प्राण त्यागते हैं, तब कब्रें खुल जाती हैं, कई पवित्र लोग जीवित हो उठते हैं, मंदिर की परदा फट जाता है – और तीन दिन बाद यीशु पुनर्जीवित होते हैं। हमारा महान उद्धारकर्ता मिल जाता है!

मत्ती 27:50-53
50 यीशु ने फिर जोर से आवाज़ लगाई और अपनी आत्मा त्याग दी।
51 देखो, मंदिर का परदा ऊपर से नीचे तक दो टुकड़ों में फट गया; धरती कांपी, चट्टानें फटीं।
52 कब्रें खुल गईं, और जो पवित्र सोए थे वे जीवित हो उठे।
53 वे यीशु के पुनरुत्थान के बाद पवित्र नगर में गए और कई लोगों के सामने प्रकट हुए।

एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

प्रिय मित्रों, यदि आप आज उस स्थिति में हैं जहाँ आपका मन कहता है कि भगवान अब आपके साथ नहीं हैं, उन्होंने आपको छोड़ दिया है क्योंकि आप लंबे समय से पीड़ित हैं, निरंतर बीमारी में हैं, थक-हारकर प्रार्थना करते रहे हैं और अनुत्तरित रह गए हैं, तो हिम्मत मत हारो! प्रभु का इंतजार करो।

दाऊद ने सहा और अंततः राज्य को प्राप्त किया जो कई पीढ़ियों तक कायम रहा, बाकी इजरायल के राजाओं से अलग।

प्रभु का इंतजार करो! प्रार्थना के साथ, क्योंकि गर्मी के बाद बारिश आती है।

शालोम।

इस शुभ संदेश को दूसरों के साथ साझा करें!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:

एलोई, एलोई, लामा सबाक्थानी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4